Volume: VII
Issue: I
Jan & Feb 2019

सिक्किम विश्वविद्यालय क्रॉनिकल

सिक्किम विश्वविद्यालय
स्थापित: 2007

संपादकीय

प्रिय पाठकों,
एसयू क्रॉनिकल के एक और अंक को आपके समक्ष प्रस्तुत करते हुए मुझे बेहद खुशी है। क्रॉनिकल के इस अंक में जनवरी और फरवरी के महीनों में विश्वविद्यालय में आयोजित और मनाए गए कुछ कार्यक्रमों पर प्रकाश डाला गया है।

हमें अपने छात्रों मीराभूटिया, प्रेरणाधक्कल, अनुअनुपमा, रंजियाराई और पूजा प्रधान पर बहुत गर्व है, जो माइक्रोबायोलॉजी विभाग में पीएचडी कर रही हैं, जिन्होंने जनवरी 2019 में जापान में विज्ञान विनिमय कार्यक्रम और अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला- दोनों में विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व किया था। और अक्टूबर 2018 क्रमशः।

मुझे उम्मीद है कि आपको पढ़ने में मज़ा आएगा और आप क्रॉनिकल के लिए लेखों का योगदान देते रहेंगे।

कुंजिनी प्रकाश दर्नाल

इस अंक में :

संपादकीय
70वां गणतंत्र दिवस समारोह 2019
जापान में विज्ञान विनिमय कार्यक्रम- रिपोर्ट
जापान में अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला- रिपोर्ट
अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस- रिपोर्ट
मूक प्लेटफॉर्म के माध्यम से शिक्षण पर दो दिवसीय अभिमुखी सह कार्यशाला पर रिपोर्ट
संकायों और छात्रों को मान्यता
मीडिया बज़- रिपोर्ट

७०वां गणतंत्र दिवस समारोह

विश्वविद्यालय में 70 वां गणतंत्र दिवस 26 जनवरी 2019 को मनाया गया। कुलपति प्रो. अविनाश खरे ने विश्वविद्यालय के कुलसचिव, पुस्तकालयाध्यक्ष, वित्त अधिकारी, वरिष्ठ अधिकारियों, संकाय सदस्यों, कर्मचारियो और छात्रों की उपस्थिति में राष्ट्र ध्वज का ध्वजारोहण किया।
कुलसचिव श्री टी.के.कौल ने ७०वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर सभी को बधाई दी और राष्ट्र के महान नेताओं के बलिदान और योगदान को भी याद किया।

कुलपति प्रो. अविनाश खरे ने अपने संबोधन में हमारे देश के इतिहास को याद करने के महत्व पर बात की, ताकि हम सभी ऐसे अवसरों को सार्थक तरीके से मना सकें। प्रो. खरे ने छात्रों को भाईचारे का अभ्यास करने और समानता, स्वतंत्रता और न्याय के गुणों को बनाए रखने के लिए प्रोत्साहित किया जैसा कि भारत के संविधान में निहित है। उन्होंने शिक्षा, विज्ञान और प्रौद्योगिकी, रक्षा, स्वास्थ्य देखभाल और कृषि के क्षेत्र में देश की उपलब्धियों पर भी बात की।

Mailing Address: suchronicle@cus.ac.in

जापान में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला में छत्रों की प्रतिभागिता - रिपोर्ट

जीव विज्ञान विभाग के प्रोफेसर ज्योति प्रकाश तमांग के मार्गदर्शन में सुश्री रंजीता राय, सुश्री पूजा प्रधान और सुश्री अनु अनुपमा, शोधार्थियों ने नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस इंडस्ट्रियल साइंस एंड टेक्नोलॉजी, त्सुकुबा, जापान में दियान्न्क २०-२७ जनवरी २०१९ को आयोजित 6ठी अंतर्राष्ट्रीय इमेजिंग कार्यशाला और डीएआईएलएबी पीआईकेएनआईकेएच श्रृंखला XXXII में भाग लिया। बीस छात्रों को कार्यशाला के लिए चुना गया था, जिनमें से सत्रह भारत के थे- जिनमें तीन सिक्किम विश्वविद्यालय, एक थाईलैंड से, एक कोरिया से और एक श्रीलंका से था। कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य विभिन्न इमेजिंग तकनीकों के उपयोग पर शोधार्थियों को प्रशिक्षित करना था। कार्यशाला में पोस्टर प्रस्तुति प्रतियोगिता भी शामिल थी, जिसे कार्यशाला के पहले दिन आयोजित की गई थी।

छात्रों को प्रयोगशाला पाठ्यक्रम- जैसे माइक्रोस्कोपी, लेजर स्कैनिंग माइक्रोस्कोपी, सुपर रिज़ॉल्यूशन माइक्रोस्कोपी, एफसीएस विश्लेषण, इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोपी, उच्च थ्रूपुट स्क्रीनिंग और बायोल्यूमिनेशन तकनीक के आधार पर सेल इमेजिंग, कंफ़ोकल माइक्रोस्कोपी, फेस कांट्रास्ट माइक्रोस्कोपी, डीआईसी और मस्तिष्क अनुभाग और न्यूरॉन आकृति विज्ञान की इमेजिंग में प्रायोगिक प्रशिक्षण दिया गया। जापान की उनकी यात्रा को एआईएसटी, जापान द्वारा पूरी तरह से सहायता दी गयी थी। किया गया था। हम उन्हें अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला में उनकी सफल भागीदारी के लिए बधाई देते हैं।

जापान में विज्ञान विनिमय कार्यक्रम

जापान विज्ञान और प्रौद्योगिकी एजेंसी (जेएसटी) द्वारा "एजिंग सोसाइटी में क्यूओएल को बढ़ाने के लिए बुनियादी और उन्नत बायोमेडिकल दृष्टिकोण का परिचय" पर जापान के ढांचे के अंतर्गत विज्ञान में एशिया युवा विनिमय कार्यक्रम के तहत एक शैक्षिक यात्रा-सह-विनिमय कार्यक्रम का आयोजन किया गया था, जिसे विज्ञान में सकुरा एक्सचेंज प्रोग्राम के रूप में जाना जाता है। यह विनिमय कार्यक्रम सह कार्यशाला दिनांक 14 अक्टूबर से 21 अक्टूबर 2018 तक नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस इंडस्ट्रियल साइंस एंड टेक्नोलॉजी (AIST), त्सुकुबा, जापान द्वारा आयोजित किया गया था। डॉ. बसुन्धरा छेत्री और डॉ. नम्रता थापा के मार्गदर्शन में सुश्री प्रेरणा ढकाल, शोधार्थी, प्राणिविज्ञान विभाग तथा डॉ. ज्योतिप्रकाश तामांग और डॉ. नम्रता थापा के मार्गदर्शन में सुश्री मीरा ओंगमु भूटिया, शोधार्थी, सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग को चुना गया था और विज्ञान में सकुरा विनिमय कार्यक्रम द्वारा पूर्ण रूप से प्रायोजित किया गया था। इस यात्रा में अनुसंधान के अपने-अपने क्षेत्रों में प्रस्तुतिकरण और विभिन्न प्रयोगशालाओं जैसे कि नैनो-बायोडेविस लैब, डैलैब (अब डीएआईसीईएनटीईआर), मॉलीक्यूलर न्यूरोबायोलॉजी रिसर्च लेबोरेटरी, त्सुकुबा और टोक्यो में ड्रग डिजाइनिंग के लिए आणविक रूपरेखा प्रयोगशाला शामिल हैं। हम जापान में अंतर्राष्ट्रीय विनिमय कार्यक्रम में उनकी सफल प्रतिभागिता के लिए उन्हें बधाई देते हैं।

अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस - २१ फरवरी २०१९

(डॉ. समर सिन्हा, संयोजक, लुप्तप्राय भाषा केंद्र, सिक्किम विश्वविद्यालय द्वारा प्रस्तुत रिपोर्ट)

लुप्तप्राय भाषा केंद्र, सिक्किम विश्वविद्यालय ने दिनांक 21 फरवरी 2019 को कावेरी हॉल में अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस का आयोजन किया। केंद्र के संयोजक डॉ. समर सिन्हा ने प्रतिनिधियों का स्वागत किया और दिन के महत्व, इतिहास और अभिप्राय पर प्रकाश डाला। कुलपति प्रो. अविनाश खरे ने उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता की। प्रो. खरे ने अपने वक्तव्य में दावा किया कि केंद्र के पास सिक्किम और उत्तर बंगाल की 34 से अधिक लुप्तप्राय भाषाओं पर काम करने का जनादेश है और सागर, गुरुंग, भुजेल, शेरपा और राय-रोकडंग पर केंद्र के काम को रेखांकित किया। बाद में, उन्होंने केंद्र के आधिकारिक गूगल पृष्ठ को उन्मोचन किया और मोबाइल डिक्शनरी एप्लिकेशन और मागर और भुजेल के ड्राफ्ट शब्दकोश जारी किए।

पृष्ठ सं ४ से जारी

मूक प्लैटफ़ार्म के माध्यम से शिक्षण पर अभिमुखी सह कार्यशाला आयोजित

विश्वविद्यालय की स्वयं समिति और शिक्षा विभाग द्वारा दिनांक १४ फरवरी और १५ फरवरी २०१९ को विस्तृत मुक्त ऑनलाइन पाठ्यक्रम (एमओओके) प्लैटफ़ार्म के माध्यम से शिक्षण पर दो दिवसीय अभिमुखी सह कार्यशाला का आयोजन कैगा गया था। प्रो. ज्योति प्रकाश तामांग, डीन, जीवन विज्ञान विद्यापीठ कार्यक्रम के उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि थे और उन्होंने अपने संबोधन में ऑनलाइन शिक्षा के महत्व पर जोर दिया और शिक्षकों को मूक पाठ्यक्रम विकसित करने के लिए प्रोत्साहित किया। प्रो. अभिजीत दत्ता, डीन, व्यावसायिक अध्ययन विद्यापीठ ने विदेशों के विश्वविद्यालयों से एमओओसी पर अपना अनुभव साझा किया और युवा संकाय सदस्यों को स्वयं से ऑन-लाइन पाठ्यक्रमों को मजबूत करने के लिए प्रोत्साहित किया।

प्रो कौशल किशोर, डीन, शिक्षा विद्यापीठ, दक्षिण बिहार विश्वविद्यालय, गया ने एमओओसी पाठ्यक्रम और क्रेडिट ट्रांसफर पर यूजीसी के विनियमन पर विस्तार से चर्चा की। विश्वविद्यालय स्वयं समिति के संयोजक डॉ. योडीदा भूटिया ने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के निर्देश के अनुसार स्वयं की स्थापना और विश्वविद्यालय से संबद्ध विभिन्न कॉलेजों के परामर्शदाताओं के चयन के बारे में बताया। उन्होंने समिति द्वारा संचालित विभिन्न गतिविधियों का एक संक्षिप्त विवरण भी दिया।

कार्यशाला के लिए स्रोत विद्वान रांची विश्वविद्यालय के डॉ. राज कुमार सिंह और डॉ. आनंद कुमार ठाकुर थे। उन्होंने स्वयम (स्टडी वेब्स ऑफ एक्टिव- लर्निंग फॉर यंग एस्पायरिंग माइंड्स) पर बात की, जो मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार का स्वदेशी प्लेटफॉर्म है, जो मैसिव ओपन ऑनलाइन कोर्सेज (मूक्स) के संचालन के लिए एक एकीकृत पोर्टल और मंच प्रदान करता है। यह सरकार द्वारा शुरू किया गया कार्यक्रम है और इसे शिक्षा नीति के तीन प्रमुख सिद्धांतों- पहुंच, न्यायपरस्ता और गुणवत्ता को प्राप्त करने के लिए डिजाइन किया गया है।

संकायों और छात्रों की मान्यता

कम्प्यूटर अनुप्रयोग विभाग के सहायक प्राध्यापक श्री पार्थप्रतिम राय को हाल ही में इंस्टीट्यूट ऑफ इलेक्ट्रिकल एंड इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियर्स (आईईईई) ड्यू कम्प्यूटिंग एसटीसी के विकास के लिए प्रतिष्ठित संबद्ध समिति के सदस्य के रूप में चयन किया गया है।

वाणिज्य विभाग की सुश्री सुष्मिता लामा ने कई राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय शतरंज चैंपियनशिप में भाग लिया और इस तरह के कई प्रतिस्पर्धा में जीत हासिल की है। उसने राष्ट्रीय शतरंज प्रशिक्षक परीक्षा भी उत्तीर्ण कर ली है और वेएक लाइसेंस प्राप्त राष्ट्रीय प्रशिक्षक (शतरंज) है। सुष्मिता ने नेशनल सिटीज टीम शतरंज चैंपियनशिप में भाग लिया है, जहां उन्होंने दूसरा स्थान प्राप्त किया है। वह और उनकी टीम एशियाई शहरों की टीम शतरंज चैम्पियनशिप के लिए भारत का प्रतिनिधित्व करेगी। उसने दिल्ली ओपन इंटरनेशनल शतरंज टूर्नामेंट में भी भाग लिया और महिला वर्ग में दूसरे स्थान पर रही। जनवरी 2019 में सुष्मिता ने पूर्वोत्तर शतरंज चैम्पियनशिप में भाग लिया, जहां उन्होंने पहला स्थान हासिल किया और उन्हें सर्वश्रेष्ठ महिला खिलाड़ी चुना गया।

पृष्ठ सं २ से जारी

श्री सी.बी. भुजेल, विशिष्ट अतिथि ने भाषा के खतरे पर बात की और इस बात पर प्रकाश डाला कि भुजेल, मगर, गुरुंग और शेरपा पर केंद्र के काम ने इन भाषाओं और समुदायों को कैसे समृद्ध किया है।

उद्घाटन सत्र के बाद तकनीकी सत्र हुए जिसमें थामी, लेप्चा, मगर, गुरुंग, यखा, नेवारी, तामांग, भुजेल, सुनुवार और शेरपा का प्रतिनिधित्व करने वाले प्रतिभागियों ने अपनी-अपनी भाषा और समुदाय से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर बात की। उन्होंने पहचान, ज्ञान बैंक और जीवन विज्ञान के रूप में भाषा के महत्व पर भी बात की। तकनीकी सत्रों के बाद सिक्किम और उत्तर बंगाल की लुप्तप्राय भाषाओं के संरक्षण और बढ़ावा देने के लिए समुदाय के सदस्यों, कार्यकर्ताओं, शोधकर्ताओं और उनके संगठनों के साथ बैठक की गई। डॉ. कबिता लामा, डीन, भाषा एवं साहित्य विद्यापीठ ने सिक्किम विश्वविद्यालय की ओर से बैठक की अध्यक्षता की। डॉ. एस.के.राय ने सिक्किम के ग्यारह स्वदेशी जातीय समुदायों के अध्यक्ष के रूप में समुदायों का प्रतिनिधित्व किया और डॉ. समर सिन्हा, संयोजक लुप्तप्राय भाषा केंद्र, सिक्किम विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व किया। हितधारकों के साथ गहन बहस और विचार-विमर्श के बाद यह निर्णय लिया गया कि सिक्किम विश्वविद्यालय में भाषा विज्ञान विभाग की स्थापना के साथ इन भाषाओं को पुनर्जीवित करने की योजना आवश्यक है और लेखन प्रणाली को विकसित करने के लिए एक योजना को प्राथमिकता दी जानी चाहिए और स्वदेशी जातीय समुदाय के सदस्यों को उनकी भाषा का दस्तावेजीकरण करने के लिए प्रशिक्षित किया जाना चाहिए। अध्यक्ष के धन्यवाद ज्ञापन के साथ बैठक समाप्त हुई।

मीडिया बज - कार्यक्रम पर एक संक्षित रिपोर्ट

जनसंचार विभाग द्वारा आयोजित वार्षिक मीडिया उत्सव- मीडिया बज़ का आयोजन दिनांक 23 और 24 फरवरी, 2019 को टूरिज्म हॉल, तादोंग में किया गया था। सदा बढ़ते प्रतिस्पर्धी बाजार में अगली पीढ़ी के मीडिया उद्योग के पेशेवरों के लिए यह अनिवार्य हो गया है कि वे इस क्षेत्र में अपने आप को बनाए रखने और उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए सभी प्रकार के कौशल से युक्त हों। इसके अलावा, यदि छात्रों को देश में प्रचलित मीडिया के माहौल से अवगत नहीं कराया जाता है, तो पेशेवरों का प्रशिक्षण पूरा नहीं होगा। इसके लिए यह महत्वपूर्ण है कि छात्र मीडिया पेशेवरों के साथ बातचीत करें और शिक्षाविदों और मीडिया पेशेवरों के बीच की अंतर को समाप्त करें। उत्सव का उद्घाटन सत्र का आयोजन दिनांक 23 फरवरी को मुख्य अतिथि-अतिथि श्री जी.एम. गुरुंग, माननीय कैबिनेट मंत्री, सांस्कृतिक मामले और विरासत विभाग, सिक्किम सरकार, कुलसचिव श्री टी.के. कौल, संकाय सदस्य और छात्रों की उपस्थिति में हुआ। कार्यक्रम में छात्रों को कार्यक्रम प्रबंधन में प्रशिक्षण देने तथा सिक्किम में एक जीवंत मीडिया वातावरण बनाने, जहां शिक्षा और व्यावसायिकता एक साथ जोड़ सकता है और उनके बीचके अंतर को मिटाया जा सकता है, के उद्देश्य से पैनल डिस्कशन, वाद-विवाद, हेडलाइन मेकिंग, न्यूज राइटिंग, पोस्टर मेकिंग, फोटो स्टोरी, शॉर्ट फिल्म स्क्रीनिंग, टैलेंट हंट, फैशन शो, बैटल ऑफ बैटल और सांस्कृतिक प्रदर्शन जैसे कार्यक्रम आयोजित किए गए।